

शुक्रवार 15.08.2025

समय 1830

मुख्य समाचार :-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 79वें स्वाधीनता दिवस समारोह में राष्ट्र का नेतृत्व किया। श्री मोदी ने लाल किले के प्राचीर से आत्मनिर्भर भारत के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा की।
- प्रधानमंत्री ने कहा — सरकार विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के उद्देश्य से अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू करने के लिए कार्यबल का गठन करेगी।
- प्रदेश में आज स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया।
- और... मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया। कहा— आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास कार्य पूरी संवेदनशीलता और तीव्र गति से किया जाएगा।

पीएम ऑन स्वतंत्रता दिवस

राष्ट्र आज 79वां स्वाधीनता दिवस मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में ऐतिहासिक लालकिले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह का नेतृत्व किया। लालकिले के प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के जांबाज सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश के सशस्त्र बलों के साहस और शौर्य का सशक्त साक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने सशस्त्र बलों को रणनीति तैयार करने, लक्ष्य और समय तय करने की खुली छूट दी।

इस दौरान श्री मोदी ने एक लाख करोड़ रुपये से प्रमुख रोजगार योजना शुरू करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आगामी दीपावली तक नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से सामान्य लोगों, किसानों और मध्य वर्ग को राहत मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अगली पीढ़ी के आर्थिक सुधारों के लिए एक कार्य बल के गठन की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले कानूनों, नियमों और प्रक्रियाओं में व्यापक बदलाव करना है।

सीएम ऑन स्वतंत्रता दिवस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विद्यालयों में मिड-डे मील योजना के अंतर्गत भोजन बनाने के लिए दो गैस सिलेंडर और एक चूल्हा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने पेयजल आपूर्ति में कठिनाई वाले प्रत्येक क्षेत्र में 10-10 हैंडपंप लगाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम चौकीदार और ग्राम प्रहरी के मानदेय में एक-एक हजार रुपये तथा सैनिक कल्याण विभाग के अंतर्गत कार्यरत ब्लॉक प्रतिनिधियों के मानदेय में दो-दो हजार रुपये की वृद्धि करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगोत्री ग्लेशियर सहित राज्य के अन्य हिमालयी ग्लेशियरों और उनके निकटवर्ती क्षेत्रों का नियमित अध्ययन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए 'विकसित उत्तराखंड' के रोडमैप के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री धामी ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास कार्य पूरी संवेदनशीलता और तीव्र गति से किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस

राज्य में आज स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। सभी जिला मुख्यालयों, सरकारी संस्थानों, स्कूलों और निजी संस्थानों में ध्वजारोहण के साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने देहरादून स्थित राजभवन में स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके त्याग, बलिदान और वीरता को नमन किया। 2047 तक विकसित भारत के संकल्प पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि आत्मनिर्भरता विकास की नींव है और डिजिटल स्वदेशी— यानी अपने डेटा, सॉफ्टवेयर और तकनीक पर भरोसा करना अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने उत्तराखंड के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राज्य में योग, आयुर्वेद, शहद, सुगंध और वेलनेस जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें आर्थिक अवसरों में बदलना सभी का दायित्व है।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी ने देहरादून स्थित विधानसभा भवन में ध्वजारोहण किया। इस बीच, राज्य के सांसदों, कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने अपने क्षेत्रों में ध्वजारोहण किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

क्विज प्रतियोगिता

आजादी का अमृत महोत्सव और उन्थासीवें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आकाशवाणी समाचार देहरादून की ओर से शुरू की गई क्विज प्रतियोगिता का आज आखिरी अंक है। इस प्रतियोगिता से जुड़ने के लिए देशभर के श्रोताओं का आकाशवाणी देहरादून आभार व्यक्त करता है।

हमारा कल का प्रश्न था— भारत छोड़ो आंदोलन किस वर्ष में हुआ ?
सही उत्तर है— 1942

हमारे कल के विजेता हैं— टिहरी गढ़वाल के जोनपुर से सुरेश सिंह